CORDOVA® App 24X7 For Teachers Only

FREE SMART CLASS SOFTWARE WITH WEB SUPPORT

For Teachers Only

सुगम हिंदी व्याकरण

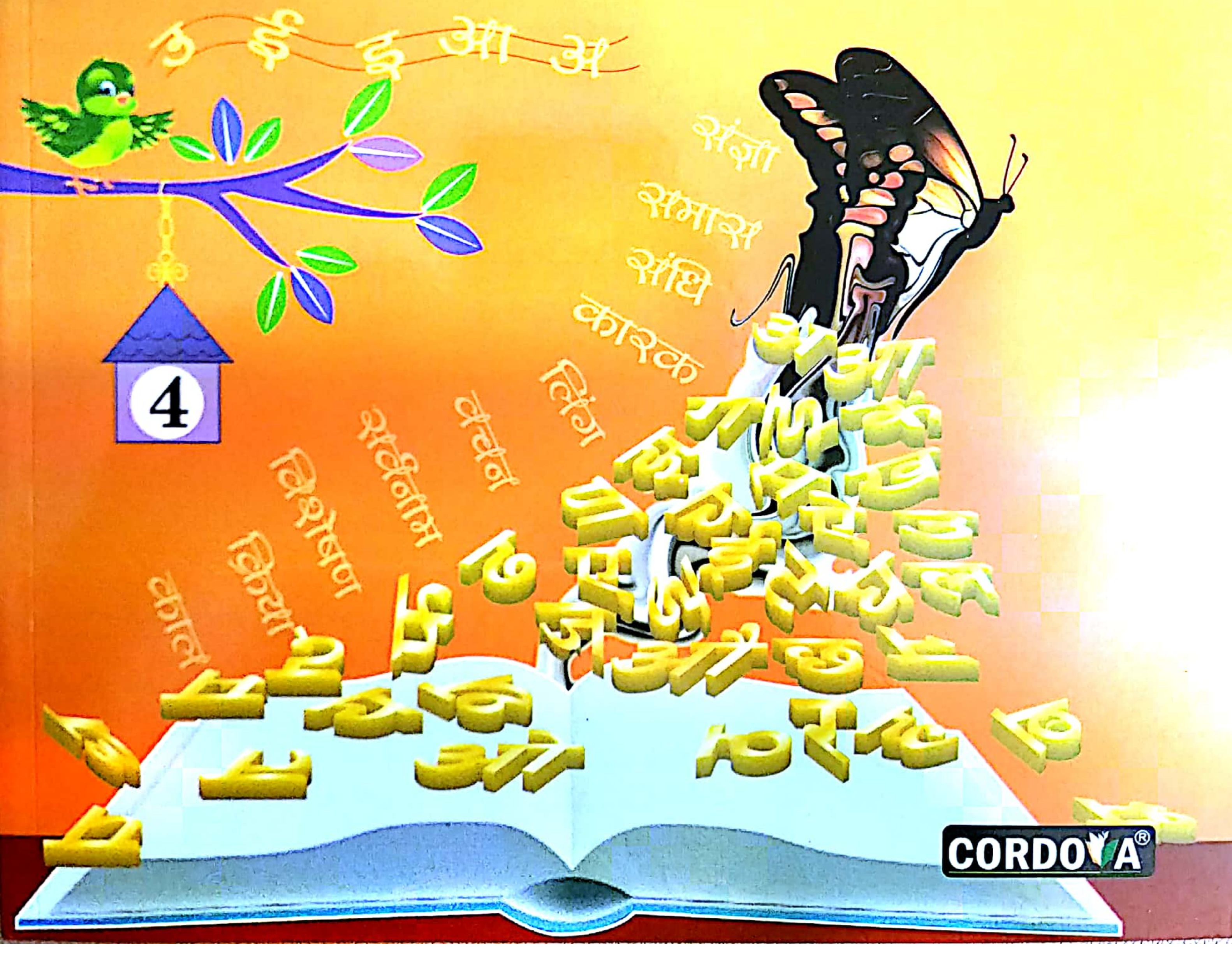

CORDOVA®

Scanned with CamScanner

विषय-सूची (Contents)

	विषय		पृष्ठ संख्या
1.	भाषा	(Language)	5
2.	वर्ण, वर्णमाला और मात्रा	(The Alphabet and Symbol of Vowels)	11
3.	शब्द	(Word)	18
4.	वाक्य	(Sentence)	22
	अभ्यास प्रश्न-पत्र		27
5.	संज्ञा	(Noun)	28
6.	लिंग	(Gender)	35
7.	वचन	(Number)	41
8.	सर्वनाम	(Pronoun)	47
9.	विशेषण	(Adjective)	55
	विशेष गतिविधि– खेल-खेल में	(Fun Activity)	62
10.	क्रिया	(Verb)	64
	अभ्यास प्रश्न-पत्र		69
11.	शब्द-भंडार	(Vocabulary)	70
12.	विराम-चिह्न	(Punctuation)	81
13.	अशुद्धि-शोधन	(Error Correction)	86
14.	मुहावरे	(Idioms)	90
	अभ्यास प्रश्न-पत्र		96
15.	पत्र-लेखन	(Letter Writing)	97
16.	अपठित गद्यांश	(Unseen Passage)	102
17.	कहानी-लेखन	(Story Writing)	106
18.	चित्र-वर्णन	(Picture Description)	111
19.	अनुच्छेद-लेखन	(Paragraph Writing)	113
20.	संवाद-लेखन	(Dialogue Writing)	116
❑	**रचनात्मक गतिविधि–I-II**		118
❑	**अभ्यास प्रश्न-पत्र–I**		120
❑	**रचनात्मक गतिविधि–III-IV**		122
❑	**अभ्यास प्रश्न-पत्र–II**		123

Scanned with CamScanner

1 भाषा
(Language)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

सुबह का समय है। पाखी ब्रश कर रही है इसलिए बोल नहीं पा रही है। वह अपने भाई मनु को संकेत (इशारा) से पंखा बंद करने के लिए कह रही है। लेकिन मनु पाखी के संकेतों को समझ नहीं पा रहा है।

देखा बच्चो, यदि परस्पर बातचीत न हो, तो कितनी मुसीबत का सामना करना पड़ता है।

अब पाखी ब्रश करके मनु से बोली–

पाखी ने अपने मन की बात बोलकर मनु को समझाई और मनु सुनकर तुरंत समझ गया, जो कि संकेतों से नहीं समझ पा रहा था। इसलिए हम संकेतों को भाषा नहीं कहते हैं। कुछ ही संकेतों को हम समझ पाते हैं; जैसे–मुँह पर उँगली रखकर चुप रहने का संकेत करना आदि।

शिक्षक-सूत्र छात्रों को स्पष्ट कीजिए कि संकेतों की भाषा को भाषा क्यों नहीं कहा जा सकता। अधिक-से-अधिक उदाहरण देकर तथा अभ्यास के अलग-अलग तरीकों से भाषा और व्याकरण की जानकारी छात्रों को दें।

Scanned with CamScanner

ब्रश करने के बाद पाखी को अचानक ध्यान आया कि आज उसकी दोस्त रीना का जन्मदिन है।

पाखी ने अपने मोबाइल में एस० एम० एस० **लिखकर** रीना को उसके जन्मदिन की बधाई दी। रीना ने उस एस० एम० एस० को **पढ़कर** पाखी को धन्यवाद दिया।

इस तरह हम अपने भावों को **बोलकर**, **सुनकर**, **लिखकर** और **पढ़कर** प्रकट करते हैं।

अत: हम कह सकते हैं कि–

ऐसा साधन जिसके द्वारा हम अपने मन के भावों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं और दूसरों के मन के भावों और विचारों को सुनकर तथा पढ़कर समझते हैं, वह भाषा कहलाती है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते हैं– (1) मौखिक भाषा (2) लिखित भाषा

1. **मौखिक भाषा–** जब हम बोलकर अपनी बात कहते हैं और दूसरा उसे सुनकर समझता है, उसे **मौखिक भाषा** कहते हैं; जैसे–

ऊपर दिए गए चित्र में सीमा और निशा **बोलकर** तथा **सुनकर** अपनी बातों को एक-दूसरे के पास पहुँचा रही हैं। अत: ये **मौखिक भाषा** है। मौखिक रूप भाषा का पहला रूप है।

Scanned with CamScanner

2. **लिखित भाषा–** जब हम लिखकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरा उसे पढ़कर समझता है, उसे **लिखित भाषा** कहते हैं; जैसे–

निशा अपनी दोस्त सीमा को कहानी **लिखकर** ई-मेल करती है और निशा वह कहानी **पढ़कर** खुश होती है।

यहाँ पर सीमा और निशा **लिखकर** तथा **पढ़कर** अपनी बातों को एक-दूसरे के पास पहुँचा रही हैं। अत: ये **लिखित भाषा** है। लिखित रूप भाषा का दूसरा रूप है।

अन्य भाषाएँ– विश्व में सैकड़ों भाषाएँ बोली व लिखी जाती हैं; जैसे- भारत में हिंदी, जर्मनी में जर्मन, जापान में जापानी, चीन में चीनी, रूस में रूसी, फ्रांस में फ्रेंच और इंग्लैंड में अंग्रेज़ी बोलते हैं।

विशेष

- भारत की राष्ट्रभाषा **हिंदी** है और अंतर्राष्ट्रीय भाषा **अंग्रेज़ी** है।

लिपि (Script)

भाषा को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।

प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। प्रमुख भाषाओं की लिपि इस तरह हैं–

भाषा	लिपि
संस्कृत, हिंदी और गुजराती	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू	फ़ारसी
बंगाली	बाँग्ला

Scanned with CamScanner

व्याकरण

किसी भी भाषा को शुद्ध रूप में बोलने, पढ़ने और लिखने के लिए व्याकरण की ज़रूरत होती है। अतः हम कह सकते हैं कि–

व्याकरण भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

ध्यान दीजिए–

अनिल खेल रही है।

यह वाक्य शुद्ध (सही) है या अशुद्ध (गलत)? यह हमें कैसे पता चलेगा? कौन बताएगा? इसकी जानकारी हमें व्याकरण से ही मिलेगी।

यह वाक्य गलत है क्योंकि अनिल एक लड़का है, लड़की नहीं। इसलिए शुद्ध वाक्य होगा– **अनिल खेल रहा है।**

बच्चो, व्याकरण ही हमें बताता है कि क्या शुद्ध है और क्या अशुद्ध। व्याकरण एक शास्त्र है। यह हमें शुद्ध बोलने और लिखने के नियम सिखाता है।

हिंदी, उर्दू, बाँग्ला, मलयालम, प्यार का भाव जगाए भाषा।
मौखिक कभी लिखित हो जाए, मन की बात बताए भाषा।

आओ पाठ दोहराएँ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

- अपने विचारों और भावों को दूसरों तक पहुँचाने और ग्रहण करने का साधन **भाषा** है।
- भाषा के रूप– **मौखिक** और **लिखित**।
- **हिंदी** हमारी राष्ट्रभाषा है।
- **अंग्रेज़ी** अंतर्राष्ट्रीय भाषा है।
- लिखने के ढंग को **लिपि** कहते हैं।
- **व्याकरण** भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. आप अपने घर में जिस भाषा में बात करते हैं, उसी भाषा में अपने बारे में कुछ बताइए।
2. आप टी॰ वी॰ पर कार्टून देखते हैं। यह भाषा का कौन-सा रूप है?

लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. दिए गए वाक्यों में ✓ या ✗ का निशान लगाइए–

(क) संकेतों को भी भाषा कहते हैं। ☐

(ख) हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी है। ☐

(ग) भाषा एक व्यक्ति के मन के भावों को दूसरे व्यक्ति तक पहुँचाती है। ☐

(घ) पिता जी कहानी सुना रहे हैं। यह भाषा का लिखित रूप है। ☐

(ङ) मौखिक रूप भाषा का दूसरा रूप है। ☐

2. दी गई भाषाओं की उचित लिपि में ✓ का निशान लगाइए–

गुजराती	–	फ़ारसी	☐	देवनागरी	☐
अंग्रेज़ी	–	रोमन	☐	गुरुमुखी	☐
उर्दू	–	बाँग्ला	☐	फ़ारसी	☐
पंजाबी	–	गुरुमुखी	☐	फ़ारसी	☐

3. दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्यों को पूरा कीजिए–

(क) गाना सुनना भाषा का .... रूप है।

(ख) मन के भावों को .... या .... प्रकट करते हैं।

(ग) जापान में .... भाषा बोली जाती है।

(घ) अंग्रेज़ी की लिपि .... है।

(ङ) .... अंतर्राष्ट्रीय भाषा है।

(च) .... भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

व्याकरण
मौखिक
अंग्रेज़ी
बोलकर
लिखकर
रोमन
जापानी

Scanned with CamScanner

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) भाषा किसे कहते हैं?

....

(ख) भाषा का दूसरा रूप कौन-सा है?

....

(ग) व्याकरण हमें क्या सिखाता है?

....

5. **बोली अनेक तरह की होती है लेकिन हम कैसी बोली बोलकर सबको अपना बना सकते हैं?** मूल्यपरक प्रश्न

मीठी बोली बोलकर ☐ कड़वी बोली बोलकर ☐

गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- **बच्चे आपस में क्या बातें कर रहे होंगे? सोचकर लिखिए–**

Scanned with CamScanner

2 वर्ण, वर्णमाला और मात्रा

(The Alphabet and Symbol of Vowels)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

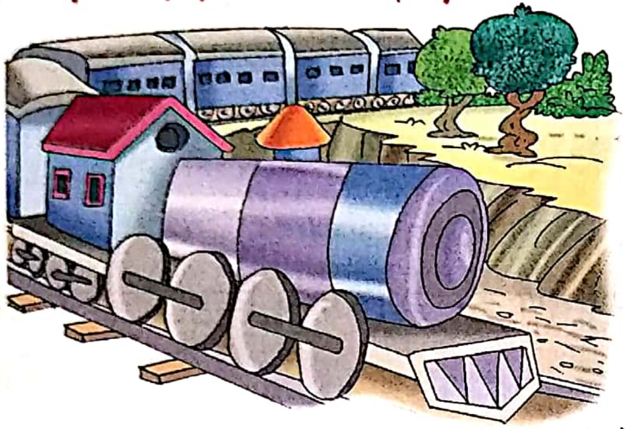

जब रेलगाड़ी छुक-छुक करती हुई चलती है, तब अनेक प्रकार की ध्वनियाँ निकलती हैं। आपके घर में जब बरतन साफ़ होते हैं, तब भी बरतन टकराने की अलग-अलग ध्वनियाँ निकलती हैं। क्या आप रेलगाड़ी से निकलने वाली और बरतनों के टकराने की ध्वनियों के अर्थ को समझ पाते हैं? नहीं न! हम इन ध्वनियों के अर्थ को नहीं समझ पाते हैं। हम तो केवल मनुष्य के मुख से निकलने वाली ध्वनियों को ही समझ पाते हैं; जैसे–

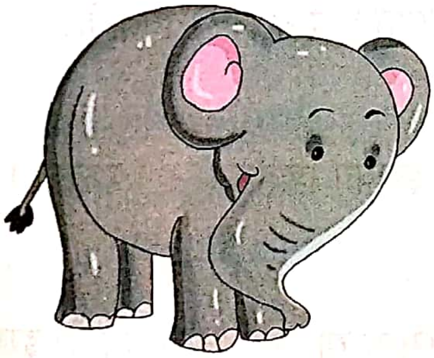

हाथी

औरत

खिलौने

'हाथी', 'औरत' और 'खिलौने' शब्दों को जब हम बोलते हैं, तब हमारे मुख से ध्वनियाँ निकलती हैं–

हाथी– ह् + आ + थ् + ई (इसमें चार ध्वनियाँ हैं।)

शिक्षक-सूत्र छात्रों को हिंदी व्याकरण में वर्ण और वर्णमाला का महत्त्व समझाएँ।

Scanned with CamScanner

औरत – औ + र् + अ + त् + अ (इसमें पाँच ध्वनियाँ हैं।)

खिलौने – ख् + इ + ल् + औ + न् + ए (इसमें छह ध्वनियाँ हैं।)

ये छोटी-छोटी ध्वनियाँ ही वर्ण या अक्षर कहलाती हैं। इनके टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।

हम कह सकते हैं कि–

भाषा की सबसे छोटी इकाई या ध्वनि को वर्ण कहते हैं।

वर्णों के प्रकार

वर्ण दो प्रकार के होते हैं– 1. स्वर (Vowels) 2. व्यंजन (Consonants)

1. **स्वर–** जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता से किया जाता है, उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी में ग्यारह (11) स्वर होते हैं–

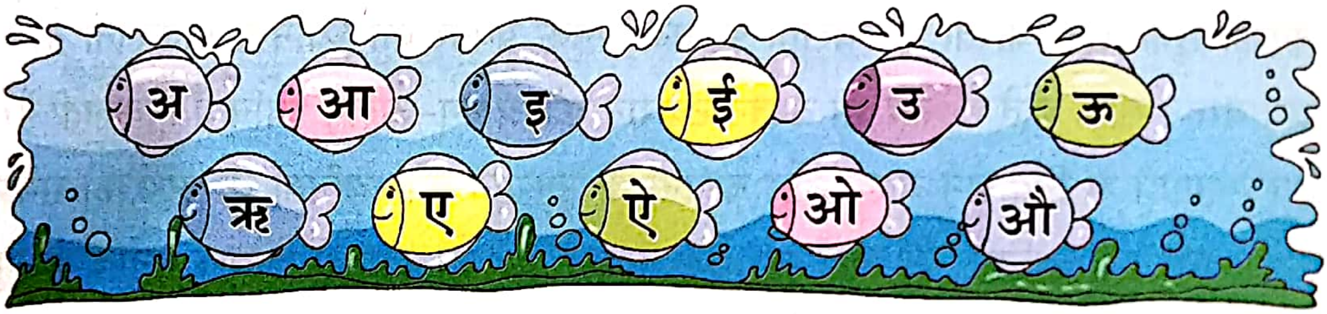

अं– इसका उच्चारण नाक से होता है। इसे अनुस्वार कहते हैं। इसका चिह्न (ं) होता है।
जैसे– कंघा, हंस आदि।

अः– इसका उच्चारण 'ह' की तरह होता है। इसे विसर्ग कहते हैं। इसका चिह्न (:) होता है।
जैसे– प्रातः, प्रायः आदि।

अँ– इसका उच्चारण नाक और गले दोनों से होता है। इसे अनुनासिक या चंद्रबिंदु कहते हैं। इसका चिह्न (ँ) होता है; जैसे– मुँह, चाँद आदि।

विशेष
- अं और अः अयोगवाह कहलाते हैं। ये न स्वर होते हैं न व्यंजन। इनका स्थान स्वर के बाद और व्यंजन से पहले होता है।

Scanned with CamScanner

2. व्यंजन– जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाता है, उन्हें **व्यंजन** कहते हैं। हिंदी में तैंतीस (33) व्यंजन होते हैं–

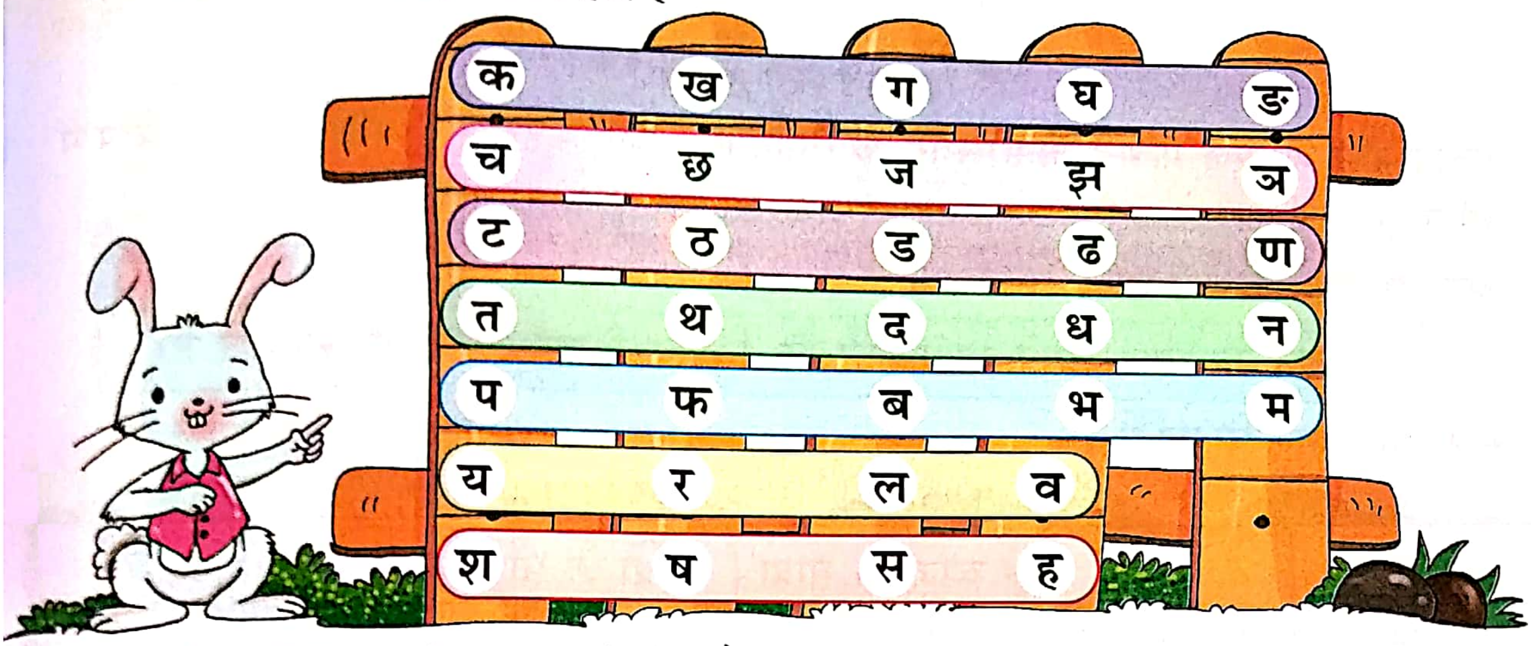

इनके अतिरिक्त भी कुछ वर्ण होते हैं–

ड़ और ढ़– 'ड' और 'ढ' वर्णों के नीचे बिंदु लगाकर 'ड़' और 'ढ़' ध्वनियाँ बनती हैं। इन्हें भी व्यंजन के रूप में अपनाया गया है। इन्हें अतिरिक्त व्यंजन भी कहते हैं। इनसे किसी शब्द की शुरुआत नहीं होती है; जैसे– घोड़ा, सड़क, पढ़ना, चढ़ना आदि।

संयुक्त व्यंजन– 'क्ष, त्र, ज्ञ, श्र' ये चार संयुक्त व्यंजन होते हैं। ये दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं, इसलिए इन्हें **संयुक्त व्यंजन** कहते हैं; जैसे–

क् + ष = क्ष = रक्षा　　त् + र = त्र = पत्र

ज् + ञ = ज्ञ = ज्ञान　　श् + र = श्र = श्रमिक

वर्णमाला

हिंदी भाषा की वर्णमाला स्वर और व्यंजन के मिलने से बनती है। हर भाषा की अपनी एक वर्णमाला होती है।

अंग्रेज़ी में छब्बीस (26) वर्णों की वर्णमाला होती है, जिन्हें एल्फाबेट (Alphabet) कहते हैं। हिंदी भाषा में चवालीस (44) वर्ण होते हैं।

अतः हम कह सकते हैं कि–

वर्णों की क्रमबद्ध व्यवस्था को वर्णमाला कहते हैं।

Scanned with CamScanner

विशेष
- हिंदी में वर्णों की संख्या चवालीस (44) होती हैं, लेकिन यदि ड़, ढ़, अं, अः और क्ष, त्र, ज्ञ, श्र को वर्णमाला में जोड़ दें, तब वर्णों की संख्या बावन (52) हो जाती हैं।

स्वरों की मात्राएँ

प्रत्येक स्वर की एक मात्रा होती है। स्वरों के चिह्न ही मात्राएँ कहलाते हैं। स्वर अपने मूल रूप में भी प्रयोग किए जाते हैं; जैसे– अब, आम, इमली, ईख, उल्लू, ऊन आदि।

अतः हम कह सकते हैं कि–

व्यंजन के साथ लगने वाले स्वर के विशेष चिह्न ही मात्रा कहलाते हैं।

स्वरों की मात्राएँ इस प्रकार हैं–

स्वर	मात्रा	व्यंजन + मात्रा	मात्रा के साथ व्यंजन	शब्द
अ	मात्रा नहीं होती	प् + अ	प	पत्र
आ	ा	प् + ा	पा	पापा
इ	ि	प् + ि	पि	पिता
ई	ी	प् + ी	पी	पीतल
उ	ु	प् + ु	पु	पुकार
ऊ	ू	प् + ू	पू	पूजा
ऋ	ृ	प् + ृ	पृ	पृथ्वी
ए	े	प् + े	पे	पेड़
ऐ	ै	प् + ै	पै	पैदल
ओ	ो	प् + ो	पो	पोशाक
औ	ौ	प् + ौ	पौ	पौधा

विशेष
- 'अ' स्वर की मात्रा अलग से नहीं होती। यह प्रत्येक व्यंजन में मिला होता है। 'अ' की सहायता के बिना हम व्यंजन को इस तरह लिखेंगे– क्, ख्, ग् आदि।
- 'उ' और 'ऊ' की मात्राएँ 'र' के नीचे नहीं बल्कि बीच में लगती हैं।
जैसे– र् + उ = रु = रुपया र् + ऊ = रू = रूप
'र' के कुछ अन्य प्रयोग–
जैसे– र्‍ – कर्म, शर्म, आदि। ‸ – ड्रामा, ट्रक आदि। ्र – क्रम, उम्र आदि।

Scanned with CamScanner

आओ पाठ दोहराएँ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

- ध्वनियों के टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।
- वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई होते हैं।
- वर्ण दो प्रकार के होते हैं- **स्वर** और **व्यंजन**।
- व्यंजनों के साथ लगने वाले स्वरों के विशेष चिह्न **मात्रा** कहलाते हैं।
- स्वरों और व्यंजनों के मिलने से **वर्णमाला** बनती है।
- वर्णमाला में 'ड़', 'ढ़', 'अं', 'अः' और संयुक्त व्यंजन (क्ष त्र ज्ञ श्र) के मिल जाने से वर्णमाला की संख्या 44 से 52 हो जाती है।

अभ्यास

मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. 'गमला' शब्द में कितनी ध्वनियाँ हैं?
2. आपके मम्मी-पापा का नाम स्वर या व्यंजन से शुरू होता है?

लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. **दिए गए वाक्यों में ✓ या ✗ का निशान लगाइए–**

(क) स्वरों की मात्राएँ होती हैं। ☐

Scanned with CamScanner

(ख) कुल तैंतीस व्यंजन होते हैं।

(ग) संयुक्त व्यंजन की संख्या पाँच होती है।

(घ) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि वर्ण है।

2. प्रश्नों के सही उत्तर में ✓ निशान लगाइए–

(क) वर्ण कितने प्रकार के होते हैं?

दो ☐ तीन ☐ चार ☐

(ख) 'ह' की तरह किसका उच्चारण होता है?

अनुस्वार ☐ विसर्ग ☐ अनुनासिक ☐

(ग) वर्णों की क्रमबद्ध व्यवस्था को कहते हैं–

वर्ण ☐ वर्णमाला ☐ स्वर ☐

3. दिए गए शब्दों में 'र' के सही रूप का प्रयोग करके लिखिए–

र = (्र) (‸) (र्‍)

टक = ... उम = ...

वषा = ... काय = ...

4. अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) के प्रयोग से तीन-तीन शब्द लिखिए–

अनुस्वार (ं) वाले शब्द = ...

अनुनासिक (ँ) वाले शब्द = ...

5. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए–

ल् + ए + ख् + इ + क् + आ = लेखिका

घ् + अ + र् + अ = ...

च् + आ + च् + ई = ...

ग् + इ + ल् + आ + स् + अ = ...

र् + ऊ + प् + आ = ...

ब् + आ + द् + अ + ल् + अ = ...

Scanned with CamScanner

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि क्या कहलाती है?

....

(ख) स्वर और व्यंजन कितने-कितने होते हैं?

....

(ग) व्यंजन किसे कहते हैं?

....

मूल्यपरक प्रश्न

7. **हिंदी भाषा की वर्णमाला स्वर व व्यंजन के मिलने से बनती है। अब आप बताइए हम सब मिलकर किसके बंधन में बँध सकते हैं?**

एकता के ☐ नफ़रत के ☐ अलगाव के ☐

गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- दिए गए चित्र में रंग भरिए और इसके बारे में तीन वाक्य बोलिए।

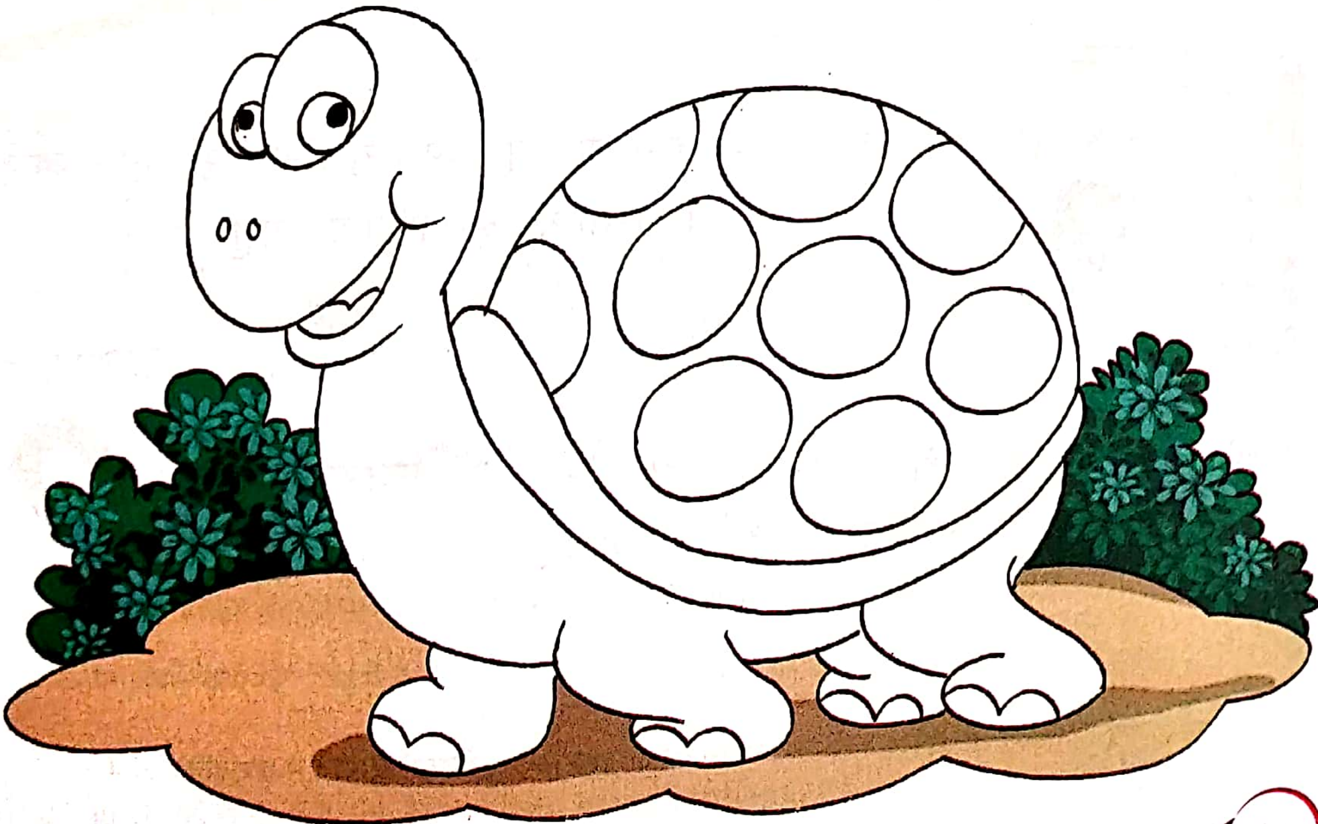

Scanned with CamScanner

3 शब्द (Word)

आपने पिछले पाठ में वर्णों के बारे में पढ़ा, उन्हीं वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं।
चलिए, जानें कि शब्द कैसे बनते हैं–

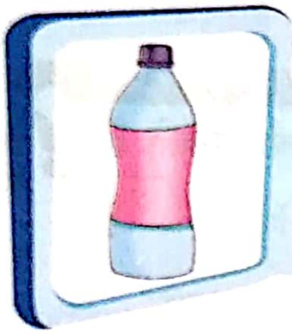

बोतल = ब् + ओ + त् + अ + ल् + अ = बोतल
(बोतल का अर्थ होता है– शीशी)

तलबो = त् + अ + ल् + अ + ब् + ओ = तलबो
(तलबो का कोई अर्थ नहीं होता है।)

जानवर = ज् + आ + न् + अ + व् + अ + र् + अ = जानवर
(जानवर का अर्थ होता है– पशु)

नजारव = न् + अ + ज् + आ + र् + अ + व् + अ = नजारव
(नजारव का कोई अर्थ नहीं होता है।)

शिक्षक-सूत्र वर्णों के सही क्रम से शब्द बनाने का अभ्यास कराए, जिससे लिखने में अशुद्धियाँ न हों।

Scanned with CamScanner

दिए गए 'बोतल' और 'जानवर' शब्दों का कोई-न-कोई अर्थ होता है, इसलिए ये ही सार्थक शब्द हैं।

'बोतल' और 'जानवर' शब्द के वर्णों को पलट देने से 'तलबो' और नजारव' शब्द बन जाते हैं। लेकिन इनका कोई अर्थ नहीं होता है, इसलिए ये निरर्थक शब्द हैं।

अत: हम कह सकते हैं कि –

वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

शब्द के प्रकार

अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं– 1. सार्थक शब्द 2. निरर्थक शब्द

1. सार्थक शब्द– जो शब्द किसी अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें **सार्थक शब्द** कहते हैं।
जैसे– किताब, भोजन, चीता आदि।

2. निरर्थक शब्द– जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता है, उन्हें **निरर्थक शब्द** कहते हैं।
जैसे– ताबकि, नजभो, ताची आदि।

शब्द वही कहलाते हैं,
जो अर्थ कोई दे जाते हैं।

आओ पाठ दोहराएँ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

- वर्णों के सार्थक समूह को **शब्द** कहते हैं।
- अर्थ के आधार पर शब्द के भेद– **सार्थक शब्द** और **निरर्थक शब्द**

अभ्यास

मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. आप अपने नाम के अक्षरों को उलट-पलट कर देखिए और बताइए कि वह सार्थक शब्द या निरर्थक शब्द हैं।
2. 'वलचा' के वर्णों को क्रम से लगाकर सही शब्द बोलिए।

Scanned with CamScanner

1. **दिए गए वाक्यों में ✓ या ✗ का निशान लगाइए–**

(क) वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं। ☐

(ख) शब्द के तीन भेद होते हैं। ☐

(ग) सार्थक शब्दों से उनके उचित अर्थ का बोध होता है। ☐

(घ) निरर्थक शब्दों का भी अर्थ होता है। ☐

2. **दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर में ✓ का निशान लगाइए–**

(क) शब्द किसे कहते हैं?

व्यंजनों के सार्थक समूह को ☐

वर्णों के सार्थक समूह को ☐

शब्दों के सार्थक समूह को ☐

(ख) शब्द के कितने भेद होते हैं?

दो ☐ तीन ☐ चार ☐

(ग) इनमें से कौन-सा शब्द सार्थक नहीं है?

कजमोर ☐ किताब ☐ चीता ☐

3. **दिए गए वर्णों को सही क्रम में लिखकर सार्थक शब्द बनाइए–**

बसुह = ... ज़ारबा = ...

लेजबी = ... ताकिब = ...

कूस्ल = ... मोसास = ...

लीछम = ... माश्च = ...

Scanned with CamScanner

4. सार्थक और निरर्थक शब्द आपस में मिल गए हैं। आप इन्हें अलग-अलग करके उनकी जगह पर लिखिए–

सार्थक शब्द		निरर्थक शब्द	
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

5. वर्णों के सार्थक समूह से शब्द बनता है और बच्चों के समूह से कक्षा बनती है। हमारी धरती हरी-भरी रहे, इसके लिए हम सबको मिलकर क्या करना चाहिए?

मूल्यपरक प्रश्न

....

गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- आपकी अध्यापिका आप सबको पिकनिक पर ले जा रही हैं। पिकनिक पर आप क्या-क्या चीज़ें ले जाएँगे? उनकी एक सूची बनाइए।

....
....
....
....

Scanned with CamScanner